

जगन्नाथ तेरी आरती गाऊँ

श्री जगन्नाथ तेरी आरती गाऊँ,
आरती गाऊँ तुम्हे हिर्दय में बसाऊँ,
चकानयन तेरी आरती गाऊँ,
आरती गाऊँ प्रभु आपको मनाऊँ,
श्री जगन्नाथ तेरी आरती गाऊँ ॥

पुरी धाम में आप विराजे,
बलदेव, सुभद्रा, सुदर्शन साजे,
अनुपम छवि के दर्शन पाऊँ,
श्री जगन्नाथ तेरी आरती गाऊँ ॥

जिसे सुनकर प्रभु दौड़े दौड़े आते,
भक्तों के बिगड़े भाग्य बनाते,
वही मंगलगीत गाके तुमको रिझाऊँ,
श्री जगन्नाथ तेरी आरती गाऊँ ॥

मंदिर से हरि बाहर आते,
रथयात्रा की शोभा बढ़ाते,
पतित पावन पे मैं बलि बलि जाऊँ,
श्री जगन्नाथ तेरी आरती गाऊँ ॥

महाप्रसाद की महिमा न्यारी,
पाना चाहें सब नर नारी,
पाके जिसे मैं धन्य हो जाऊँ,
श्री जगन्नाथ तेरी आरती गाऊँ ॥

श्री जयदेव के प्यारे तुम हो,
मेरे स्वामी चकानयन हो,
प्रभु चरणों में शीश झुकाऊँ,
श्री जगन्नाथ तेरी आरती गाऊँ,
चकानयन तेरी आरती गाऊँ,
कालिया ठाकुर तेरी आरती गाऊँ,
दारुब्रह्म तेरी आरती गाऊँ,
आरती गाऊँ प्यारे तुमको मनाऊँ,
श्री जगन्नाथ तेरी आरती गाऊँ ॥

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/23473/title/jagannath-teri-aarti-gaun>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |